

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजी०) चेन्नई

ज्योतिष प्रवीण परीक्षा : जून 2013

समय : 3 घन्टे

प्रश्न पत्र-I

कुल अंक : 50

कोई भी पाँच प्रश्न हल करें। प्रश्न 1 तथा 6 अनिवार्य हैं। दोनों भागों में से कम से कम एक-एक प्रश्न का चयन करते हुए तीन अन्य प्रश्नों के उत्तर दें। सब प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग-I (साधारण ज्योतिष)

1. ज्योतिष क्या है? कर्म सिद्धांत के अनुसार ज्योतिष की विवेचना कीजिए।
2. ज्योतिष एक विज्ञान है। क्या आप इस बात से सहमत हैं? समझाइये।
 - i) आर्यभटीय के लेखक हैं _____
 - ii) पंच सिद्धांतिका के रचयिता हैं _____
 - iii) भास्कराचार्य ने _____ लिखी थी।
 - iv) जातकालन्कार के लेखक हैं _____
 - v) सारावली के लेखक हैं _____
 - vi) शरत विषुव _____ तिथि को होता है।
 - vii) चन्द्रमा _____ का उपग्रह है।
 - viii) यूरोपीय खगोल शास्त्री का नाम बताइये जिन्होंने सर्वप्रथम विषुव के चलन को पहचान दी।
 - ix) प्राचीनतम वेद का नाम _____ है।
 - x) सर्वार्थ चिंतामणि के रचयिता _____ हैं।
4. ज्योतिषी के लिए देश, काल और पात्र की क्या महत्ता है? विस्तार से बताएं।
5. किसी भी व्यक्ति को ज्योतिष का अध्ययन क्यों करना चाहिए? इसकी क्या उपयोगिता है?

भाग-II (ज्योतिष से सम्बंधित खगोल शास्त्र)

6. निम्नलिखित के मध्य में अंतर बताएं :
 - i) मानक समय और स्थानीय समय
 - ii) सौर दिन और नाक्षत्र दिन
 - iii) सम्पात और अयन
 - iv) अपभु ष उपभु
7. चित्र के द्वारा ऋतु परिवर्तन को समझाएं।
8. सौर मंडल पर संक्षिप्त विवरण लिखिए। भू केन्द्रक और सौर केन्द्रक खगोलीय नियमों को समझाएं।
9. पंचांग किसे कहते हैं? तिथि, नक्षत्र, योग और करण को समझाएं।
10. राहु और केतु को छाया ग्रह क्यों जाता है? खगोलीय दृष्टि से उत्तर दीजिये।

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजी०) चेन्नई

ज्योतिष प्रवीण परीक्षा : जून 2013

प्रश्न पत्र-II

कोई भी पाँच प्रश्न हल करें। प्रश्न 1 तथा 6 अनिवार्य है। दोनों भागों में से कम से कम एक-एक प्रश्न का चयन करते हुए तीन अन्य प्रश्नों के उत्तर दें। सब प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग-I (गणित ज्योतिष)

- 23.05.2013 को सुबह 7 बजकर 30 मिनट पर पुणे के जन्म के आधार पर लग्न निकालिए तथा ग्रहों की स्थिति स्पष्ट करके जन्म कुंडली बनाइये।
- i) प्रश्न संख्या 1 के आधार पर नवमांश एवं दशमांश बनाए।
ii) युद्ध-काल सुधार से आप क्या समझते हैं?
- रिक्त स्थान पूर्ण करें :
i) मूल नक्षत्र के चतुर्थ पद की सीमा _____ से _____ अंश तक है।
ii) यदि किसी जातक का जन्म इलाहाबाद में सुबह 10.30 (भारतीय मानक समय) पर हुआ है, तो स्थानीय समय होगा _____।
iii) दक्षिणायन _____ राशि से आरम्भ होता है।
iv) यदि बृहस्पति नवमांश में परम उच्च स्थिति पर है तो जन्म कुंडली में बृहस्पति _____ राशि में होगा।
v) चर भचक्र स्थिर भचक्र से _____ गति से पीछे खिसकता है।
- नीचे दी गई कुंडली के आधार पर द्रष्टा व सप्तमांश कुंडली बनाए:
लग्न वृश्चिक 17:19, सूर्य कुंभ 25:41, चन्द्रमा धनु 8:12, मंगल मीन 29:04, बुध (व) मीन 9:45, गुरु मेष 23:55, शुक मेष 4:51, शनि (व) तुला 3:11, राहु मकर 18:32, (जन्मतिथि 10.3.1953)
- प्रश्न संख्या 4 के आधार पर विंशोत्तरी भोग्य दशा बनाए और उपरान्त आने वाली महादश का क्रम भी बताए।

भाग-II (फलित ज्योतिष)

- रिक्त स्थान पूर्ण करें :
i) यदि बुध 4एस.16.17' में स्थित है तो वह _____ नक्षत्र में होगा।
ii) यदि कुंडली में चन्द्रमा सूर्य से सप्तम में हो तब चन्द्रमा _____ होगा। (बली/निर्बल)
iii) यदि मंगल और बुध परस्पर 3/11 में स्थित हो तब एक-दूसरे से _____ पंचधा मैत्री होगी।
iv) वाहन का कारक _____ भाव होता है।
v) अस्पताल का कारक _____ भाव होता है।
vi) राहु व केतु _____ व _____ सम्बन्धों (पारिवारिक) को दर्शाते हैं।
vii) शनि अभी तुला में गोचर कर रहा है अतः सादेसती _____ राशियों पर लागू होगी।
viii) सूर्य _____ राशि में उच्च का होता है।
ix) _____ को त्रिक भाव कहते हैं।
x) वृषभ लग्न का स्वामी _____ ग्रह होता है।
- 1, 4, 7 और 10 भावों के कौन-कौन से कारकत्व होते हैं?
- क) मारक ग्रह से क्या तात्पर्य समझते हैं?
ख) ग्रहों की अलग-अलग अवस्थाओं को विस्तार से बताएँ।
- मेष और मीन लग्न के जातक की क्या-क्या विशेषताएँ होती हैं?
- क) योग क्या हैं? इनके परिणाम कब फलित होते हैं?
ख) केमदुम योग एवं अमला योग को विस्तार से बताएँ।

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजी०) चेन्नई

ज्योतिष प्रवीण परीक्षा : जून 2013

प्रश्न पत्र-III

समय : 3 घन्टे

कुल अंक : 50

कोई भी पाँच प्रश्न हल करें। प्रश्न 1 तथा 6 अनिवार्य हैं। दोनों भागों में से कम से कम एक-एक प्रश्न का चयन करते हुए तीन अन्य प्रश्नों के उत्तर दें। सब प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग-I (ज्योतिष योग)

1. i) किसी कुंडली को जाँचने के सामान्य नियम क्या होते हैं?
ii) निम्नलिखित कुंडली के आधार पर जातक की आकृति एवं स्वास्थ्य पर प्रकाश डालिए-
लग्न-धनु 29:18, सूर्य-मिथुन 21:44, चन्द्रमा-कन्या 4:16, मंगल-वृष 29:02,
बुध-मिथुन 3:24, गुरु-कन्या 9:12, शुक्र-कर्क 15:47, शनि-कन्या 10:16, राहु-कर्क 8:11
2. सप्तवर्ग किसे कहते हैं? कुंडली की जांच करने के लिए यह किस प्रकार महत्वपूर्ण होते हैं?
3. कुंडली का अध्ययन करने के लिए निम्नलिखित की उपयोगिता को समझाए
i) जब कोई ग्रह राशि के आरम्भ अथवा अंत में हो
ii) दिग्बली ग्रह iii) विपरीत राजयोग
iv) पारिजात योग
4. प्रश्न 1 में दी गई कुंडली में किन्हीं चार योगों (सूर्य और चंद्रयोग को छोड़कर) के बारे में बताते हुए उनके परिणाम बताए।
5. निम्नलिखित के उत्तर दीजिये:
i) भावात् भावम् से आप क्या समझते हैं?
ii) मृगशिरा और हस्त नक्षत्र के कारकत्व बताए।

भाग-II (दशा व गोचर)

6. निम्नलिखित के उत्तर दीजिये :
i) दशा के परिणाम शोधन करने में हमें किन-किन साधारण नियमों पर ध्यान देना चाहिए।
ii) राहु महादशा के क्या सामान्य परिणाम होते हैं?
7. 31 मई 2013 को बृहस्पति ने मिथुन राशि में प्रवेश किया। कर्क, वृश्चिक, मकर और मीन जन्म राशि के लिए बृहस्पति के इस गोचर का क्या-क्या फलादेश होगा?
8. i) अन्तर्दशा नाथ की क्या उपयोगिता है?
ii) महादशा नाथ के रूप में बुध के साधारण परिणाम बताए।
9. संक्षिप्त में टिप्पणी लिखिए :
i) मूर्ति निर्णय ii) सप्तशलाका चक्र
iii) शनि का चन्द्रमा से अष्टम भाव में गोचर iv) वेध
10. शनि के पर्याय फल बताए।

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजी०) चेन्नई

ज्योतिष प्रवीण परीक्षा : जून 2013

प्रश्न पत्र-IV

समय : 3 घन्टे

कुल अंक : 50

कोई भी पाँच प्रश्न हल करें। प्रश्न 1 तथा 6 अनिवार्य हैं। दोनों भागों में से कम से कम एक-एक प्रश्न का चयन करते हुए तीन अन्य प्रश्नों के उत्तर दें। सब प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग-I (ताजिक शास्त्र)

1. विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश में जन्मे जातक (7 अक्टूबर 1986, शाम 6 बजकर 15 मिनट, मंगलवार) के 30 वर्ष पूर्ण होने पर अक्टूबर 2013 से आरम्भ होने वाली वर्ष कुंडली बनाए।
2. इत्थसाल योग क्या है? उदाहरणों सहित समझाए।
3. वर्षेश निर्धारण का नियम समझाए व निम्न वर्ष पत्रिका में वर्षेश निर्धारण करें।
लग्न-मिथुन 14:47, सूर्य-वृष 10:58, चन्द्रमा-वृश्चिक 23:59, मंगल-वृष 2:07, बुध-वृष 26:54, बृहस्पति-वृष 28:33, शुक्र-वृष 26:10, शनि (व)-तुला 12:11, राहू-तुला 22:46
(जातक का जन्म 26 मई, 1954, जन्म लग्न वृषभ)
ग्रहों का पंचवर्गीय बल है : सूर्य-7:84, चन्द्रमा-4:65, मंगल-6:45, बुध -8:25, गुरु-8:37, शुक्र-14:29, शनि-14:16
4. निम्न सहम के निर्धारण का नियम व महत्व समझाए।
क) पुण्य सहम, ख) कार्यसिद्धि सहम ग) विवाह सहम घ) गुरु सहम
5. मुंथा किसे कहते हैं? सभी भावों में मुन्थेश के सामान्य फल बताए।

भाग-II (मुहूर्त)

6. विवाह संस्कार के मुहूर्त में क्या-क्या विचारणीय विषय हैं?
7. i) षोडश संस्कार क्या हैं?
ii) नामकरण और अक्षराभ्यास मुहूर्त के लिए कौन-कौन से योग ध्यान रखने चाहिए।
8. निम्नलिखित पर संक्षिप्त में टिप्पणी दीजिए:
i) संक्रांति (सूर्य के आधार पर) ii) अभिजीत मुहूर्त
iii) भद्रा iv) राहूकाल
9. यात्रा प्रारम्भ के मुहूर्त के लिए किन-किन विशेष नियमों को ध्यान में रखना चाहिए? यदि जातक व्यवसाय (व्यापार) के लिए यात्रा पर जा रहा हो तब मुहूर्त के नियम बताए।
10. मुहूर्त का क्या महत्व है? कारण सहित मुहूर्त का आधार समझाए।